हिंदी (केंद्रिक)

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

प्रश्नपत्र संख्या 2/1/1

खंड — 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1x5 = 5**

स्नायु तुम्हारे हों इस्पाती।

देह तुम्हारी लोहे की हो, स्नायु तुम्हारे हों इस्पाती,

युवको, सुनो जवानी तुममें आए आँधी-सी अर्राती।

जब तुम चलो चलो ऐसे

जैसे गति में तूफान समेटे।

हो संकल्प तुम्हारे मन में

युग-युग के अरमान समेटे।

अंतर हिंद महासागर-सा, हिमगिरि जैसी चौड़ी छाती।

जग जीवन के आसमान में

तुम मध्याह्न सूर्य-से चमको

तुम अपने पावन चरित्र से

उज्ज्वल दर्पणा जैसे दमको।

साँस-साँस हो झंझा जैसी रहे कर्म ज्वाला भड़काती।

जनमंगल की नई दिशा में

तुम जीवन की धार मोड़ दो

यदि व्यवधान चुनौती दे तो

तुम उसकी गरदन मरोड़ दो।

ऐसे सबक सिखाओ जिसको याद करे युग-युग संघाती।

स्नायु तुम्हारे हों इस्पाती।

(क) युवकों के लिए फ़ौलादी शरीर की कामना क्यों की गई हैं?

(ख) किसकी गरदन मरोड़ने को कहा गया है और क्यों?

(ग) बलिष्ठ युवकों की चाल-ढाल के बारे में क्या कहा गया है?

(घ) युवकों की तेजस्विता के बारे में क्या कल्पना की गई है?

(ङ) उस पंक्ति को उद्धृत कीजिए जिसमें कहा गया है कि युवक अपने जीवन को लोक-कल्याण में लगा दें।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यह संतोष और गर्व की बात है कि देश वैज्ञानिक और औद्योगिक क्षेत्र में आशातीत प्रगति कर रहा है। विश्व के समृद्ध अर्थव्यवस्था वाले देशो में टक्कर ले रहा है और उनसे आगे निकल जाना चाहता है। किंतु इस प्रगति के उजले पहलू के साथ एक धुँधला पहलू भी है जिससे हम छुटकारा चाहते हैं । वह है नैतिकता का पहलू। यदि हमारे हृदय में सत्य, ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा और मानवीय भावनाएँ नहीं है; देश मे मान-सम्मान का ध्यान नहीं है; तो सारी प्रगति निरर्थक होगी। आज यह आम धारणा है कि बिना हथेली गर्म किए साधारण-सा काम भी नहीं हो सकता। भ्रष्ट अधिकारियों और भ्रष्ट जनसेवकों में अपना घर भरने की होड़ लगी है। उन्हें न समाज की चिंता है, न देश की। समाचार-पत्रों में अब ये रोज़मर्रा की घटनाएँ हो गई हैं। लोग मान बैठे हैं कि यही हमारा राष्ट्रीय चरित्र है, जब कि यह सच नहीं है। नैतिकता मरी नहीं है, पर प्रचार अनैतिकता का हो रहा है। लोगों में यह धारणा घर करती जा रही है कि जब बड़े लोग ही ऐसा कर रहे हैं तो हम क्या करें? सबसे पहले तो इस सोच से मुक्ति पाना जरूरी है, और उसके बाद यह संकल्प कि भ्रष्टाचार से मुक्त समाज बनाएँगे। उन्हें बेनकाब करेंगे जो देश के नैतिक चरित्र को बिगाड़ रहे हैं।

(क) देशवासियों के लिए गर्व की बात क्या है? 1

(ख) देश की आशातीत प्रगति से जुड़ा धुँधला पक्ष क्या है? 1

(ग) नैतिक चरित्र से लेखक का क्या आशय है? 2

(घ) देश की प्रगति कब निरर्थक हो सकती है? 2

(ङ.) 'नैतिकता मरी नहीं है' - पक्ष या विपक्ष में अपने विचार 4-5 वाक्यों में लिखिए। 2

(च) समाज अनैतिक पहलू से कैसे मुक्ति पा सकता है? 2

(छ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ज) गद्यांश में प्रयुक्त किसी मुहावरे का वाक्य-प्रयोग कीजिए। 1

(झ) प्रत्यय अलग कीजिए - नैतिकता, ईमानदारी। 1

(ञ) उपसर्ग अलग कीजिए - निरर्थक, अधिकारी। 1

(ट) सरल वाक्य में बदलिए - लोग मान बैठे हैं कि यही हमारा राष्ट्रीय चरित्र है। 1

खंड - 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : 5

(क) राष्ट्रमंडल खेल - 2010

(ख) इंटरनेट से लाभ और हानियाँ

(ग) आतंकवाद की समस्या

(घ) समाचार-पत्र की उपयोगिता

4. आपके ज़िले के जनगणना उपायुक्त को 2010-11 की जनगणना के लिए कुछ सहायकों की आवश्यकता है। अपनी योग्यता, रुचि आदि का विवरण देते हुए एक आवेदन पत्र लिखिए। 5

अथवा

बाढ़ उतर जाने के बाद नदी के तट पर बसी बस्तियों में अनेक रोग फैलने लगे हैं। स्वास्थ्य अधिकारी को इसका समाधान सुझाते हुए तुंरत कदम उठाने का अनुरोध कीजिए।

5. (क) संक्षेप में दीजिए : **1x5 = 5**

(i) 'प्रिंट माध्यम' का क्या आशय है?

(ii) 'उलटा पिरामिउड शैली' को समझाइए।

(iii) रेडिया समाचार की भाषा की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(iv) इंटरनेट पत्रिका के लोकप्रिय होने के दो कारण लिखिए।

(v) पत्रकारिता में 'बीट' का क्या तात्पर्य है?

(ख) 'राष्ट्रमंडल खेलों में चाक-चौबंद सुरक्षा' अथवा 'गाँवों से शहरों की ओर बढ़ रहा पलायन' विषय पर एक आलेख लिखिए। 5

6. मैट्रो रेल हमसे सुसभ्य और सुसंस्कृत व्यवहार को अपेक्षा रखती है।' अथवा 'महानगरों में प्रदूषण की समस्या' पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए। 5

खंड - 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2x4 = 8**

रूद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष

अँगना-अंग से लिपटे भी

आंतक अंक पर काँप रहे हैं।

धनी, वज्र-गर्जन से बादल!

त्रस्त नयन, मुख ढाँप रहे हैं।

जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,

तुझे बुलाता कृषक अधीर

ऐ विप्लव के वीर!

चूस लिया है उसका सार

हाड़-मात्र ही है आधार,

ऐ! जीवन के पारावार।

(क) 'विप्लव के वीर' किसे कहा गया है? क्यों?

(ख) कृषक की दशा कवि के अनुसार कैसी हो गई है? इसके लिए कौन उत्तरदायी है?

(ग) शोषकों के लिए 'रूद्ध कोष' और 'क्षुब्ध तोष' विशेषणों का औचित्य समझाइए।

(घ) धनी 'अँगना-अंग से लिपटे' हुए भी आंतकित क्यों हैं?

अथवा

सुत बित नारि भवन परिवारा। होंहि जाहिं जग बारहिं बारा।।

अस बिचारि जियँ जागहु ताता। मिलइ न जगत सहोदर भ्राता।।

जथा पंख बिनु खग अति दीना। मनि बिनु फनि करिबर कर हीना।।

अस मम जिवन बंधु बिनु तोही। जौं जड़ दैव जिआवै मोही।।

जैहउँ अवध कवन मुहु लाई। नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई।।

(क) 'जागहु ताता' - कौन, किसे कह रहा है? जगाने का संदर्भ क्या है?

(ख) भाई के बिना जीवन की तुलना किससे की गई है? तुलना का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) इन पंक्तियों मे राम के माध्यम से तुलसी की नारी के बारे में जो मान्यता उजागर हुई है, उस पर अपने विचार लिखिए।

(घ) काव्यांश के आधार पर भाई के प्रति राम के प्रेम पर टिप्पणी कीजिए।

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2x3 = 6**

सवेरा हुआ

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नई साइकिल तेज़ चलाते हुए

घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से।

(क) काव्यांश में उपमा के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) मानवीकरण का एक उदाहरण छाँटकर उसका सौंदर्य समझाइए।

(ग) काव्यांश के बिंब-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

अथवा

आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है

बालक तो हई चाँद पै ललचाया है

दर्पण उसे दे के कह रही है माँ

देख आईने में चाँद उतर आया है।

(क) काव्यांश की रचना किस छंद में हुई है? उस छंद का लक्षण समझाइए।

(ख) भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए - 'देख आईने में चाँद उतर आया है।'

(ग) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- **3+3 = 6**

(क) 'आत्म परिचय' कविता में कवि क्यों कहता है - 'शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ? इस कथन का आशय समझाइए।

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए :

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने

कविता का खिलना फूल क्या जाने!

(ग) 'जादू टूटता है इस उषा का अब' -

उषा का जादू क्या है? वह कैसे टूटता है?

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2x4 = 8**

पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं मे नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए अपने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ।

(क) लेखिका और पाठ के नाम का उल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश में किसके बारे में चर्चा हैं?

(ख) 'मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है' - कथन का आशय समझाइए। लेखिका ने ऐसा क्यों कहा?

(ग) भक्तिन को समझदार क्यों कहा गया है? वह अपना नाम किसी को क्यों नहीं बताती?

(घ) 'इतिवृत्त' शब्द का क्या अर्थ है? 'इतिवृत्त' सुनाने के बाद भक्तिन ने क्या प्रार्थना की?

अथवा

इस चिलकती धूप में इतना इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन - धूप, वर्षा, आँधी, लू- अपने आपमें सत्य नहीं है? हमारे देश के ऊपर से जो यह मारकाट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गांधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब-तब हूक उठती है - हाय, वह अवधूत अब कहाँ है!

(क) लेखक और पाठ का नामोल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश मे किस वनस्पति की चर्चा है?

(ख) 'अवधूत' किसे कहते हैं? शिरीष को अवधूत क्यों कहा है?

(ग) 'एक बूढ़ा' से किसकी ओर संकेत है? उसकी क्या विशेषता थी?

(घ) गांधी और शिरीष में क्या साम्य दिखाया गया है?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3x4 = 12**

(क) 'बाजार का जादू' क्या है? उसके चढ़ने-उतरने का उपभोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(ख) जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक अंग न मानने के पीछे डॉ. भीमराव आंबेडकर के क्या-क्या तर्क थे?

(ग) 'नमक' कहानी में नमक की पुड़िया इतनी महत्वपूर्ण क्यों हो गई है? कस्टम अधिकारी उसे लौटाते हुए भावुक क्यों हो उठा?

(घ) पहलवान लुट्टन सिंह को राजा साहब की कृपादृष्टि कब प्राप्त हुई? वह उन सुविधाओं से वंचित कैसे हो गया?

(ङ) चार्ली चैप्लिन के व्यक्तित्व की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3+3 = 6**

(क) ऐन फ्रेंक की डायरी को एक महत्वपूर्ण दस्तावेज क्यों माना जाता है?

(ख) 'सिल्वर वेडिंग' कहानी में यशोधर पंत को बच्चों की तरक्की अच्छी भी लगती है और 'सम-हाउ-इंप्रॉपर' भी। कारण स्पष्ट कीजिए।

(ग) मुअनजो-दड़ो की सभ्यता को 'लो प्रोफाइल' सभ्यता क्यों कहा गया है? 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर लिखिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2+2 = 4**

(क) ऐन फ्रेंक की डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी गई होगी?

(ख) कार्यालय में सेक्शन ऑफिसर वाई.डी. पंत और उनके सहकर्मियों के संबंध कैसे थे?

(ग) मुअनजो-दड़ो कहाँ है? यह क्यों प्रसिद्ध है?

14. 'सिल्वर वेडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **5**

अथवा

ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी में स्त्रियों के बारे में क्या कहा है? उसकी समीक्षा करते हुए बताइए कि आज स्थितियों में कितना परिवर्तन आया है।

प्रश्नपत्र संख्या 2/1

खंड — 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः **1x5 = 5**

नए युग में विचारों की नई गंगा कहाओ तुम,
कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तुफान में नहाओ तुम।
अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तारे गगन के तोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है -
उसी विश्वास को फिर आज जन-जन में जगाओ तुम।
पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे,
तुम्हारी देह के श्रम-सीकरों में शक्ति है इतनी -
कही भी धूल, में तुम फूल सोने के खिला दोगे।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है
इशारा कर वहीं इस देश को फिर लहलहाओ तुम।

(क) यदि भारतीय नवयुवक दृढ़ निश्चय कर लें तो क्या-क्या कर सकते हैं?

(ख) नवयुवकों से क्या-क्या करने का आग्रह किया जा रहा है?

(ग) युवक यदि परिश्रम करे तो क्या लाभ होगा?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।

(ड.) काव्यांश में से कोई एक मुहावरा चुनकर उसका वाक्य-प्रयोग कीजिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कुछ लोगों को अपने चारों ओर बुराइयाँ देखने की आदत होती है। उन्हें हर अधिकारी भ्रष्ट, हर नेता बिका हुआ और हर आदमी चोर दिखाई पड़ता है। लोगों की ऐसी

मनःस्थिति बनाने में मीडिया का भी हाथ है। माना कि बुराइयों को उजागर करना मीडिया का दायित्व है, पर उसे सनसनीख़ेज बनाकर 24 × 7 चैनलों में बार-बार प्रसारित कर उनकी चाहे दर्शक-संख्या (TRP) बढ़ती हो, आम आदमी इससे अधिक शंकालु हो जाता है और यह सामान्यीकरण कर डालता है कि सभी ऐसे हैं। आज भी सत्य और ईमानदारी का अस्तित्व है। ऐसे अधिकारी हैं जो अपने सिद्धातों को रोज़ी-रोटी से बड़ा मानते हैं। ऐसे नेता भी हैं जो अपने हित की अपेक्षा जनहित को महत्त्व देते हैं। वे मीडिया-प्रचार के आकांक्षी नहीं है। उन्हें कोई इनाम या प्रंशसा के सर्टीफ़िकेट नहीं चाहिए, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कोई विशेष बात नहीं कर रहे, बस कर्तव्यपालन कर रहे हैं। ऐसे कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों से समाज बहुत-कुछ सीखता है। आज विश्व में भारतीय बेईमानी या भ्रष्टाचार के लिए कम, अपनी निष्ठा, लगन और बुद्धि-पराक्रम के लिए अधिक जाने जाते हैं। विश्व में अग्रणी माने जाने वाले देश का राष्ट्रपति बार-बार कहता सुना जाता है कि हम भारतीयों-जैसे क्यों नहीं बन सकते। और हम हैं कि अपने को ही कोसने पर तुले है! यदि यह सच है कि नागरिकों के चरित्र से समाज और देश का चरित्र बनता है, तो क्यों न हम अपनी सोच को सकारात्मक और चरित्र को बेदाग़ बनाए रखने की आदत डालें।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ख) लेखक ने क्यों कहा है कि कुछ लोगों को अपने चारों ओर बुराइयाँ देखने की आदत है? 2

(ग) लोगों की सोच को बनाने-बदलने में मीडिया की क्या भूमिका है? 2

(घ) अपनी टी.आर.पी. बढ़ाने के लिए कुछ चैनल क्या करते हैं? उसका आम नागरिक पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

(ड.) 'आज भी सत्य और ईमानदारी का अस्तित्व हैं - पक्ष या विपक्ष में अपनी ओर से दी तर्क दीजिए। 2

(च) आज दुनिया में भारतीय किन गुणों के लिए जाने जाते हैं? 1

(छ) किसी संपन्न देश के राष्ट्रपति का अपने नागरिकों से भारतीयों-जैसा बनने के लिए कहना क्या सिद्ध करता है? 1

(ज) लेखक भारतीय नागरिकों से क्या अपेक्षा करता है? 1

(झ) प्रत्यय अलग कीजिए - नागरिक, ईमानदारी। 1

(ञ) उपसर्ग अलग कीजिए - बेदाग़, अधिकारी। 1

(ट) सरल वाक्य में बदलिए - 1

ऐसे अधिकारी हैं जो अपने सिद्धातों को रोज़ी-रोटी से बड़ा मानते हैं।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 5

(क) मेरा प्रिय एफ.एम. चैनल

(ख) राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीयों का प्रदर्शन

(ग) बाढ़ की विभीषिका

(घ) वैर नहीं, मैत्री करना सिखाते हैं धर्म

4. बढ़-चढ़कर दावा करने वाले और भ्रामक प्रचार करने वाले विज्ञापनों से ग्राहकों, उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी का उल्लेख करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। दो सुझाव भी लिखिए। 5

अथवा

अपने पंसदीदा कार्यक्रम की चर्चा करते हुए उस टी.वी. चैनल के कार्यक्रम निदेशक को पत्र लिखकर कार्यक्रम की और अधिक आकर्षक बनाने के दो सुझाव दीजिए।

5. (क) संक्षेप में उ त्तर लिखिए : 1x5 = 5

(i) पीत पत्रकारिता किसे कहते हैं?

(ii) संपादक के दो प्रमुख उत्तरदायित्वों का उल्लेख कीजिए।

(iii) 'समाचार' शब्द को परिभाषित कीजिए।

(iv) मद्रित माध्यम की एक विशेषता बताइए जो इलैक्ट्रॉनिक माध्यम से नहीं है।

(v) इंटरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण बताइए।

(ख) 'युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति' अथवा 'किसानों की समस्याओं की अनदेखी' विषय पर एक आलेख लिखिए। 5

6. 'मेरे स्कूल का पुस्तकालय' अथवा 'मेरे शहर में प्रदूषण' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए। 5

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x4 = 8

छोटा मेरा खेत चौकोना

कागज़ का एक पन्ना,

कोई अंधड़ कहीं से आया

क्षण का बीज वहाँ बोया गया।

कल्पना के रसायनों को पी

बीज गल गया निःशेष;

शब्द के अंकुर फूटे,

पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष!

(क) खेत की तुलना कागज़ के पन्ने से क्यों की गई है?

(ख) खेत अगर कागज़ है तो बीज क्या है? आप ऐसा क्यों मानते हैं?

(ग) काव्य-पंक्तियों के आधार पर किसी कवि की रचना-प्रक्रिया को क्रम से समझाइए।

(घ) रचना में विचारों के अंधड़ की क्या भूमिका है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बरू अपजस सहतेउँ जग माहीं। नारि हानि बिसेष छति नाहीं।।

अब अवलोकु सोकु सुत तोरा। सहिहि निठुर कठोर उर मोरा।।

निज जननी के एक कुमारा। तात तासु तुम्ह प्रान अधारा।।

सौपेसि मोहि तुम्हहिं गहि पानी। सब बिधि सुखद परम हित जानी।।

उतरु काह दैहउँ तेहि जाई। उठि किन मोहि सिखावहु भाई।।

(क) 'उठि किन मोहि सिखावहु भाई' - कौन किसे कह रहा है? काव्यांश का संदर्भ क्या है?

(ख) पंक्तियों के आधार पर भाई के प्रति राम के प्रेम पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'उतरु काह दैहउँ तेहि जाई।' 'तेहि' किसे कहा गया है? उसके समक्ष जाने में राम को क्या संकोच है?

(घ) इन पंक्तियों में नारी के बारे में तुलसी की जो मान्यता उजागर हुई है, उस पर अपने विचार लिखिए।

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए, प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3 = 6

मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ

मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,

जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते-

मैं अपने मन का गान किया करता हूँ।

(क) रूपक अलंकार का एक उदाहरण चुनकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए।

अथवा

नहला के छलके-छलके निर्मल जल से,

उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके

किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को

जब घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े।

(क) काव्यांश की रचना किस छंद में हुई है? उस छंद की क्या विशेषता है?

(ख) काव्यांश से हिन्दी, उर्दू और लोकभाषा के उदाहरण छाँटकर लिखिए।

(ग) भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को

जब घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3 = 6

(क) ''कैमरे में बंद अपाहिज़' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ख) सिद्ध कीजिए कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्र है।

(ग) भाव स्पष्ट कीजिए - 'विप्लव रव से छोटे ही हैं शोभा पाते।'

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4 = 8

यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पचेंज़िंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति - शैतानी शाक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही

बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं।

(क) लेखक और पाठ के नाम का उल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश में किस समस्या की चर्चा है।

(ख) बाज़ार को सार्थकता कौन दे सकते हैं और कैसे?

(ग) 'पर्चेज़िंग पावर' का क्या तात्पर्य है? पर्चेज़िंग पावर का गर्व बाज़ार का क्या अहित करता है?

(घ) 'बाज़ार का बाज़ारूपन ' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते कि झड़ना निश्चित है। सुनता कौन है? महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है। मूर्ख समझते है कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो काल-देवता की आँख बचा जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो। जमे कि मरे!

(क) लेखक और पाठ के नाम का उल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश में किस वनस्पति का उल्लेख है।

(ख) भोले किन्हें कहा गया है और क्यों?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए - हिलते-डुलते रहो, ... जमे कि मरे!

(घ) शिरीष के फूलों की वह विशेषता क्या है जिसके कारण लेखक को यह सब कहना पड़ा?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $3 \times 4 = 12$

(क) ''उनको यह नमक देते वक्त मेरी तरफ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा। तो बाक़ी सब रफ्ता-रफ्ता ठीक हो जाएगा। 'नमक' कहानी में लाहौर के कस्टम अधिकारी के इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तीन तर्क दीजिए।

(ख) डॉ. भीमराव आंबडेकर की कल्पना के आदर्श समाज की आधारभूत बातें संक्षेप में समझाइए।

(ग) लेखक ने चार्ली चैप्लिन का भारतीयकरण किसे कहा है और क्यों?

(घ) 'इंदर सेना' क्या थी? जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस प्रकार सही ठहराया?

(ड.) ''भक्तिन अच्छी है - यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं।''

लेखिका के इस कथन के आलोक में भक्तिन के चरित्र की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

12. निम्नलिखित मे से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3 = 6

(क) 'जूझ' कहानी के आधार पर लेखक में कविता के प्रति रुचि जगाने और कविता करना सिखाने में उसके अध्यापक के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

(ख) ''किशन दा को अपना आदर्श मानने के फेर में यशोधर नई पीढ़ी के साथ भी तालमेल नहीं बिठा पाते।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(ग) यह कैसे कहा जा सकता है कि सिंधु-सभ्यता में भव्यता का आडंबर नहीं था?

13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2 = 4

(क) ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी होगी?

(ख) मुअनजो-दड़ों कहाँ है तथा क्यों प्रसिद्ध है?

(ग) 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर 'जो हुआ होगा' कथन के दो अर्थ लिखिए।

14. ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी में नारी-स्वतंत्रत की जो कल्पना की है, आज उस स्थिति में कितना परिवर्तन आया है? उदाहरण स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

'जूझ' कहानी के शीर्षक का औचित्य सिद्ध कीजिए।

अंक - योजना - हिंदी (केंद्रिक)

सामान्य निर्देश :

1. अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक–योजना में दिए गए उत्तर–बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएं।

2. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक–योजना पर भली–भाँति आद्योपांत विचार–विनियम नहीं हो जाता, तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।

3. मूल्यांकन अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके अंक–योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।

4 प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएं। बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिए में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।

5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक देकर उन्हें गोलाकृत कर दिया जाए।

6 यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का अतिरिक्त उत्तर भी लिख दिया है तो उस उत्तर पर अंक दिए जाएं जिसे पहले लिखा गया हो।

7. संक्षिप्त, किन्तु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की अपेक्षा है।

8. बार–बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।

9. अपरिठत गद्यांश और काव्यांश के प्रश्नों में परीक्षार्थियों की समझ, बोध–क्षमता और ग्रहणशीलता का परीक्षण किया जाता है, अतएव इनके उत्तरों में अभिव्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्त्व न दिया जाए जिससे परीक्षार्थियों को अकारण हानि हो।

10. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थियों ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर–बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे शत–प्रतिशत अंक दिए जाएं।

प्रश्न-पत्र-संख्या 2/1/1

1	(क)	– वे सशक्त नागरिक बनें।	1×5 = 5
		– चुनौतियों का सामना करें।	1
	(ख)	– रुकावटों और बाधाओं की।	
		– लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए।	1
	(ग)	जब तुम चलो, चलो ऐसे जैसे गति में तूफान समेटे।	1
	(घ)	जीवन के आसमान में मध्याह्न सूर्य से चमकाते हैं	1
	(ङ)	जनमंगल की नई दिशा में तुम जीवन की धार मोड़ दो।	1
2	(क)	– वैज्ञानिक, आर्थिक क्षेत्र में उन्नति	15 अंक
		– औद्योगिक विकास	1
	(ख)	नैतिकता की कमी	1
	(ग)	सत्य, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय भावनाएँ	1+1=2
	(घ)	नैतिकता न होने पर, देश का मान सम्मान न होने पर	1+1=2
	(ङ)	मुक्त उत्तर, कोई एक तर्क अपेक्षित	2
	(च)	भ्रष्टाचार मुक्त समाज बनाने का संकल्प लेकर और उस संकल्प को व्यावहारिक उतार कर।	2
	(छ)	'नैतिकता' तथा अन्य उपयुक्त शीर्षक	1
	(ज)	– अपना घर भरना	
		– हथेली गरम करना	
		– बेनकाब करना – जैसे मुहावरों में से किसी एक से उपयुक्त वाक्य बनाना।	1
	(झ)	इक/ता. दार/ई)	½+½ = 1
	(ञ)	निर्	
		अधि	
	(ट)	लोग इसे ही अपना राष्ट्रीय चरित्र मान बैठे हैं – सरल वाक्य	1

3	निबंध –		5 अंक
	अंक विभाजन		
		प्रस्तावना, उपसंहार	½+½ = 1
		वर्णन	3
		भाषा और प्रस्तुति	1
4	पत्र –		5 अंक
	अंक विभाजन		
		प्रारूप	1
		विषय वस्तु	3
		भाषा और प्रस्तुति	1
5	(क) (i)	छपी सामग्री – समाचार–पत्र, पुस्तक, पत्रिका	5 अंक
	(ii)	मुखड़ा, बाडी, समापन – समाचार लेखन की शैली	
	(iii)	– सरल, संक्षिप्त और स्पष्ट, सटीक	
	(iv)	– प्रायः निःशुल्क	
		– अधिकाधिक समाचार सहज रूप में उपलब्ध	
		– सुविधा से कभी भी देखा–पढ़ा जा सकता है।	
	(ख) आलेख –		5 अंक
		विषय वस्तु	2
		प्रस्तुति	2
		भाषा	1
6	(क) फीचर –		5 अंक
		विषयवस्तु	2
		प्रस्तुति	2
		भाषा	1

7 (क) – बादल को 2×4 = 8 अंक

– क्रांति का अग्रदूत तथा जीवनदाता 1+1=2

(ख) जीर्ण बाहु, शीर्ण शरीर, परिवर्तन के लिए अधीरता

– शोषक वर्ग उत्तरदायी 1+1=2

(ग) उनका धन जमा रहता है। बँटता नहीं है। धन संग्रह की प्रवृत्ति/धन की अधिकता फिर भी असंतुष्ट और क्षुब्ध हैं। 2

(घ) – भयभीत होने के कारण, 2

– शोषक प्रिय के सान्निध्य में भी क्रांति की संभावना से आतंकित।

अथवा

(क) – राम, लक्ष्मण से

– युद्ध में लक्ष्मण का मूर्च्छित होना 1+1=2

(ख) – पंखहीन पक्षी, मणि बिना साँप, सूँड बिना हाथी

– भाई के बिना जीवन की व्यर्थता का संकेत 1+1=2

(ग) – पुरुष की तुलना में नारी को कम स्थान दिया गया है।

– परीक्षार्थी के अपने विचार 1+1=2

(घ) – अप्रतिम भ्रातृ–प्रेम के कारण व्याकुलता

– पत्नी सीता से भी उच्च स्थान 1+1=2

8 (क) सवेरे के आकाश की लालिमा के लिए खरगोश की लाल आँखों का उपमान, नवीन सुंदर कल्पना 2×3 = 6 अंक
2

(ख) – मानवीकरण अलंकार, शरद आया पुलों को पार करते हुए 2

– वर्षा ऋतु के बाद अचानक शरद के आने पर संदर कल्पना

(ग) – दृश्य बिंब 2

– गतिशीलता

– ध्वनि बिंब

अथवा 2×3 = 6 अंक

(क) रुबाई छंद, तुकांत – 1,2,4 पंक्तियों के अंत में तुक 2

(ख) – बच्चे को भुलाने के लिए माँ का प्रयत्न

– चाँद न दे पाने का सुंदर समाधान 2

(ग) – बोलचाल की खड़ी बोली

– सहज, सरल, बोधगम्य भाषा

– उर्दू मिश्रित शब्दावली 2

9 (क) – वाणी में शीतलता किंतु विचारों व भावों में क्रांति की भावना भरी हुई। 3+3 = 6 अंक

– विनयपूर्वक विरोध 3

(ख) फूल की सुगंध और उसका सौन्दर्य क्षणिक होता है किंतु कविता की सुगंध (भाव/प्रभाव) कालजयी होता है। 3

(ग) – सूर्योदय से पूर्व की स्थिति, ऊषा का जादू

– ऊषा का विभिन्न रंगों और दृश्यों से जादू छलकाना

– सूर्योदय के पश्चात ऊषा का जादू टूटता है। 3

10 (क) लेखिका – महादेवी वर्मा 2×4 = 8 अंक

पाठ – भक्तिन

महादेवी की सेविका के बारे में 1+1=2

(ख) – महादेवी में 'महा' विशेषण है।

– लेखिका अपने नाम के साथ लगे विशेषण को अपनी क्षमता से अधिक और दुर्वह समझती है।

– उदारता, विनम्रता का चित्रण 2

(ग) – गरीबी के कारण उसका 'लक्ष्मी' नाम उसके जीवन से मेल नहीं खाता

– समृद्धि–सूचक नाम और स्वयं गरीब होने के कारण अपना नाम नहीं बताती। 2

(घ) – वृत्तांत/कहानी/विवरण

– उसका नाम किसी को न बताया जाए। 2

अथवा

(क) – हजारीप्रसाद द्विवेदी

– शिरीष के वृक्ष की 1+1=2

(ख) अव्यवस्था, अस्थिरता, हिंसा/अराजकता की स्थिति में धैर्य, शांति व स्थिरता का परिचय देना। 1+1=2

(ग) – गांधी जी को

– मारकाट और अशांति में भी धैर्य धारण 1+1=2

(घ) – कष्टों को सहना

– प्रतिकूल परिस्थिति में भी धैर्य व शांति बनाए रखना। 1+1=2

11 (क) – अधिक से अधिक वस्तु खरीदने के लिए आकर्षित करना 3×4 = 12 अंक

– मनुष्य को बेचैन कर देता है।

– अनावश्यक वस्तु खरीदने के लिए विवश करता है। 3

(ख) – जन्म से पूर्व ही माता–पिता के पेशे के अनुसार मनुष्य का पेशा निर्धारित हो जाता है।

– निजी क्षमता पर विचार किए बिना जाति पेशा निर्धारित करती है

– जाति मनुष्य को जीवनभर एक ही पेशे से बांधे रखती है। 3

(ग) – नमक से सिख बीबी तथा लेखिका की भावनाएँ जुड़ी हुई हैं।

– क्योंकि कस्टम अधिकारी खुद विभाजन की पीड़ा को महसूस कर रहा था।

– 'नमक' से सिख बीबी तथा सोफिया के जुड़ाव को समझ रहा था। 3

(घ) – जब पहलवान चाँद सिंह को दंगल में पछाड़ देता है।

– राजा साहब की मृत्यु के बाद प्रशासन की बागडोर राजकुमार के हाथ में आई।

– शासन परिवर्तन की चपेट में लुट्टन सुविधाओं से वंचित 3

(ङ) – चार्ली आत्मविश्वास से पूर्ण दिखता है।

– सुंदर अभिनय

– उनमें हास्य प्रतिभा है। 3

12 (क) – द्वितीय विश्वयुद्ध के विभषिका का यथार्थ चित्रण होने के कारण एक महत्वपूर्ण दस्तावेज 3+3 = 6 अंक

– यहूदियों की यंत्रणाओं का चित्रण

– निजी सुख–दुख एवं भावनाओं का जीवंत/ऐतिहासिक विवरण 3

(ख) – यशोधर बाबू आदर्शवादी हैं लेकिन रूढ़िवादी नहीं

– बच्चों की तरक्की उन्हें अच्छी लगती है लेकिन अपनों से दूर करने वाली तरक्की उन्हें 'समहाऊ इप्रॉपर' लगती है।

– अपने पुत्र को प्रारंभ में ही आधिक वेतन मिलना भी उन्हें 'समहाऊ इंप्रॉपर' लगता है 3

(ग) – अनुशासित किंतु आडंबरहीन सभ्यता

– कलात्मक एवं वास्तुकला के श्रेष्ठ उदाहरण मिलते हैं।

– नगर नियोजन, मूर्ति शिल्प, औजार, मोहरें आदि लघुता में महत्ता का अनुभव

– राजसत्ता या धर्म का प्रभाव दर्शाने वाले प्रमाण न मिलना 3

13 (क) ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी किट्टी नामक एक निर्जीव गुड़िया को संबोधित करते हुए अनेक कारणों से लिखी होगी 2+2=4 अंक 2

- वह अपने आस–पास आतंक और भय से त्रस्त लोगों का त्रास अनुभव कर रही थी
- वह अपने निजी सुख–दुख और ऐतिहासिक परिवेश से उत्पन्न त्रासदियों को अपने परिवार के सदस्यों के साथ बांटने में संकोच करती थी।
- उसका जीवन एकाकी था, जिससे वह अंतर्मुखी हो गई थी।
- नाज़ियों के अत्याचारों से उत्पन्न भावनाएं निर्जीव किट्टी के सामने प्रकट करना उसे सरल लगा।

(कोई दो कारण)

(ख) सहकर्मियों के साथ संबंध –

– औपचारिक होते हुए भी मधुरता का भाव

– समय के पाबंद और सिद्धांतवादी थे

– सहकर्मियों के व्यंग्य को हँसकर टाल देते थे

– काम की लापरवाही पसंद न थी 2

(ग) – पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित पुरातात्विक स्थान।

– अनुशासित नगर योजना, वास्तुकला तथा कलात्मकता पुरातात्विक अवशेषों के लिए प्रसिद्ध 2

14 (क) – सिद्धांतवादी, परंपरावादी, आदर्शों एवं मूल्यों पर आधारित जीवन 5 अंक

– आधुनिकता से तालमेल न रखना

– नई पीढ़ी के साथ वैचारिक अंतर

अथवा

– प्रकृति–प्रदत्त प्रजनन शक्ति के उपयोग के अधिकार से वंचित 2½

– स्त्रियों के व्यक्तित्व–विकास में बाधा

– वर्तमान संदर्भ में स्त्रियों को निर्णय की स्वतंत्रता मिली है।

– विकास में सहयोग एवं सम्मान प्राप्त हुआ है। 2½

प्रश्न-पत्र-संख्या 2/1

1 (क) विचार परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन इत्यादि ½+½ = 1

(ख) परिवर्तन लाना, बाहुबल पर विश्वास दिलाना, देश निर्माण के लिए प्रेरित करना। ½+½ = 1

(ग) करोड़ों गरीबों को नया जीवन मिलेगा, तुच्छ चीजें भी मूल्यवान हो जाएंगी। ½+½ = 1

(घ) तुच्छ से तुच्छ चीजें भी अत्यधिक मूल्यवान बन जाएंगी। 1

(ङ) गगन/आसमान के तारे तोड़ना, पसीना बहाना, धूल में फूल खिलाना (कोई एक) ½+½ = 1

उपयुक्त वाक्य प्रयोग 5 अंक

2 (क) मीडिया की नकारात्मक भूमिका/सकारात्मक सोच बनाम नकारात्मक सोच 1

(ख) नकारात्मक सोच के लोग दूसरों में बुराइयां ढूंढते हैं और उनका ही बढ़ा चढ़ा कर वर्णन किया करते हैं। 1+1=2

(ग) मीडिया का बहुत बड़ा हाथ है, लगातार बुराइयां दिखाकर लोगों को निराष करते हैं और उन्हें शंकालु बनाते हैं 1+1=2

(घ) बुराइयों को खोजकर उन्हें सनसनीखेज बनाकर 24×7 चैनलों में बार–बार प्रसारण किया जाता है, आम नागरिक अधिक शंकालु होकर सभी को बुरा मानने लगता है। 1+1=2

(ङ) पक्ष : आज भी ऐसे अधिकारी और नेता हैं जो सत्य और ईमानदारी पर चलते हुए जनहित के लिए कार्य करते हैं। विश्व में भारतीय अपनी ईमानदारी निष्ठा, लगन, बुद्धि के लिए जाने जाते हैं। 1+1=2

विपक्षः आज हर अधिकारी भ्रष्ट, नेता बिका हुआ और आम आदमी चोर नजर आता है। कई देशों में भारतीयों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है।

(कोई एक पक्ष)

(च) निष्ठा, लगन, बुद्धि, पराक्रम, ईमानदारी (कोई दो) ½+½ = 1

(छ) वह भारतीयों की निष्ठा, लगन और परिश्रम से प्रभावित है। वह भारत की प्रगति से डर रहा है। 1

(ज) सच्चरित्र, ईमानदार और सकारात्मक सोच का बनने की अपेक्षा करता है। 1

(झ) इक, ई / दार ½+½ = 1

(ञ) बे, अधि ½+½ = 1

(ट) ऐसे अधिकारी अपने सिद्धांतों को रोजी–रोटी से बड़ा मानते हैं। ½+½ = 1

अथवा

अपने सिद्धांतों को रोजी–रोटी से बड़ा मानने वाले अधिकारी भी हैं।

3 निबंध – भूमिका ½

विषय वस्तु 3

उपसंहार ½

भाषा शैली और प्रस्तुतीकरण 1 5 अंक

4 पत्र – औपचारिकताएं ½

विषय वस्तु ½

विषय सामग्री (प्रारंभ, मध्य और समाप्त) 3

भाषा और प्रस्तुतीकरण 1 5 अंक

5 (क) (i) किसी का चरित्र हनन करने के उद्देश्य से लिखना / अश्लीलता फैलाने के उद्देश्य से लिखना। 5 अंक
1

(ii) संपादन, प्रकाशन, प्रशासन, संपादकीय लेखन (कोई दो) ½+½ = 1

(iii) समकालीन घटनाचक्र / जिसे जानने में लोगों की रुचि हो। = 1

(iv) स्थायित्व / सुविधा और समय के अनुसार पढ़ना संभव = 1

(v) त्वरित जानकारी, समय की उपलब्धता के अनुसार देखना–पढ़ना संभव / अपने विचारों को बाँटना संभव।

(कोई दो) ½+½ = 1

5	(ख)	आलेख–	विषय वस्तु	2	
			प्रस्तुतीकरण	2	
			भाषा शैली	1	5 अंक
6	फीचर आलेख –		विषय वस्तु	2	
			प्रस्तुतीकरण	2	
			भाषा शैली	1	5 अंक

7 (क) आकार, उत्पादन या रचना की क्षमता के कारण 1+1=2

(ख) कल्पना का क्षण/रचना की मूल प्रेरणा खेत में पड़ा बीज अंकुरित होकर पौधा बनता है, उसी प्रकार भावना/कविता का बीज रचना का स्वरूप ग्रहण करता है। 1+1=2

(ग) विचार का पैदा होना, विचार का पोषण, कल्पना के साथ, कविता का जन्म लेना और उसका विकसित होना। ½+½+½+½ = 2

(घ) विचारों के अंधड़ ही कविता करने की प्रेरणा देते हैं। विचारों की सघंनता और प्रबलता से ही साहित्यिक कृति का जन्म होता है 1+1=2
8 अंक

अथवा

(क) राम, लक्ष्मण से

संदर्भ – लक्ष्मण मूर्च्छा/राम का विलाप 1+1=2

(ख) अपार प्रेम, पत्नी की अपेक्षा भाई से अधिक प्रेम, भाई के अहित से दुखी 1+1=2

(ग) 'तेहि' लक्ष्मण की माँ सुमित्रा लक्ष्मण के साथ न जाने से सुमित्रा दुखी होंगी क्योंकि उसने लक्ष्मण को राम के हाथ सौंपा था। 1+1=2

(घ) नारी को हीन समझने की तत्कालीन समाज की निंदनीय सोच, यह किसी भी दृष्टि से स्वीकार नहीं की जा सकती। 1+1=2

8 (क) स्नेह–सुरा में रूपक 3+3 = 6 अंक

स्नेह और सुरा दोनों के रस में डूबने से आनंद की अनुभूति होना 1+1=2

(ख) सरल, सहज, प्रवाहपूर्ण खड़ी बोली 1+1=2

(ग) स्नेह–सुरा, किया करता, जो जग (कोई दो) 1+1=2

अथवा

(क) रुबाई छन्द में – पक्ति 1,2,4 में तुक 1+1=2

(ख) हिन्दी–निर्मल जल, प्यार

उर्दू–गेसू,

लोक भाषा – लेके, पिन्हाती, घुटनियों में 1+1=2

(ग) वात्सल्य रस का सुंदर प्रयोग, मां का घुटनों में दबाकर बच्चे को कपड़े पहनाने का दृश्य, बच्चे का अपनी मां के मुंह को प्यार से देखने का मनोहारी बिम्ब।
(कोई दो बिंदु) 1+1=2

9 (क) क्योंकि शारीरिक रूप से अश्रम व्यक्ति को कैमरे के सामने उसकी शारीरिक अक्षमता याद दिलाकर उसे पीड़ित करने वाले प्रश्न/प्रसंग आदि पूछे जाने से वह और अधिक पीड़ित होता है। 3+3 = 6अंक

(ख) इसमें शंख ध्वनि के साथ पूजा–पाठ, चौके को राख/मिट्टी से लीपना, सिलबट्टे आदि की धुलाई, सरोवरों/नदियों में स्नान करके अपने दैनिक कार्यों में संलग्नता। (कोई तीन बिंदु)

(ग) प्रलय की बरसात में प्रकृति के छोटे–छोटे पौधों का विकास होता है इसी प्रकार सामाजिक क्रांति से समाज के शोषित/सर्वहारा वर्ग को विकसित होने का अवसर प्राप्त होता है।

10 (क) लेखक– जैनेद्र कुमार 8 अंक

पाठ – बाज़ार दर्शन ½

समस्या – उपभोक्तावाद अथवा अनावश्यक चीजों को खरीद कर अपनी सामर्थ्य ½
का प्रदर्शन 1

(ख) जिन ग्राहकों को अपनी आवश्यकता की चीजों को खरीदने की जानकारी/योजना 1
पहले से है क्योंकि वही आवश्यक–आवश्यकताओं की सामग्री खरीदकर सच्चे
अर्थों में बाजार का विकास करते है। 1

(ग) क्रय शक्ति विनाशकारी है, अनावश्यक वस्तुओं को खरीदना और वस्तुओं के विक्रय 1
मूल्य बढ़ाकर आम आदमी की समस्याएं बढ़ाना 1

(घ) घटिया आकर्षण, अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री व खरीद, वस्तुओं के मूल्य में अनावश्यक वृद्धि इत्यादि (कोई दो) 1+1=2

अथवा

(क) लेखक–हजारी प्रसाद द्विवेदी ½

पाठ का नाम – शिरीष के फूल ½

शिरीष के वृक्ष के पत्र, पुष्प, फल आदि का। 1 2

(ख) शिरीष के फलों तथा उन लोगों को जो यह समझते हैं कि वे काल (मृत्यु) से बच जाएंगे। क्योंकि वास्तव में काल से बच पाना संभव नहीं है। एक न एक दिन जाना सभी को पड़ता है। 1 1

(ग) प्रगति अथवा परिवर्तन के साथ विकसित होते रहने वाले लोग सच्चे अर्थों में अपनी उपलब्धियों के सहारे लम्बे समय तक जीवित रहते हैं। इसके विपरीत जो लोग निष्क्रिय या कर्महीन हो जाते हैं उनका जीवन व्यर्थ है। 1 1

(घ) शिरीष के फूलों की विशेषता फल बनने पर मजबूती से पेड़ से लगे रहना है, जब तक नए फल आकर उन्हें धक्का देकर पेड़ से गिरा नहीं देते। 1+1=2

11 (क) कस्टम अधिकारी के इस कथन से यह पता चलता है कि पाकिस्तानी क्षेत्र में रह रहे मूल रूप से हिन्दुस्तानी और हिन्दुस्तान में रह रहे मूलतः पाकिस्तानी नागरिक अपने मूल (जन्म स्थान) से लगाव बनाए रखेंगे तो धीरे–धीरे दोनों देशों के संबंध परस्पर मैत्री और भाई–चारे के हो जाएँगे। (पक्ष/विपक्ष में तर्क अपेक्षित) 3+3+3+3=12अंक

(ख) वांछित परिवर्तन समस्त समाज तक पहुंचाने की गतिशीलता, बहुविध हितों/साधनों में सबका हिस्सा, समाज की सबके हितों के प्रति सजगता, अवसरों कीं समाज के लोगों को समान उपलब्धता (कोई तीन बिंदु)

(ग) लेखक ने सिनेमा जगत के प्रसिद्ध कलाकार श्री राजकपूर को चार्ली चैपलिन का भारतीयकरण कहा है क्योंकि उन्होंने चार्ली के अभारतीय रूप–स्वरूप को बहुत निकट से जिया। 1½ 1½

(घ) इन्द्रसेना नंग–धड़ंग 10–12 लड़कों का समूह थी, जो 'काले मेघा पानी दे .....' की समवेत स्वर में पुकार लगाते थे, जीजी ने इन पर पानी फेंके जाने को पानी का अर्ध्य चढ़ाना कहकर सही ठहराया और कहा कि यदि हम पानी नहीं देंगे तो हमें कैसे मिलेगा। 1½ 1½

(ङ)
- भक्तिन में अच्छे सेवक के गुण थे, पर अवगुण भी थे
- भक्तिन स्वामिभक्त थीं।
- रुपए–पैसे इधर–उधर रख देती थी।
- अपनी कमियों के विरुद्ध तर्क–वितर्क करती थीं।

- बातों को घुमा–फिरा कर कहना उसकी आदत थी।
- चोरी और झूठ बोलने के साथ सीनाजोरी उसकी आदत थी।

(कोई तीन बिंदु)

12 (क) लेखक में कविता के प्रति रुचि जगाने और कविता करना सिखाने में उसके अध्यापक का बहुत योगदान था। श्री सॉदलगेकर मराठी के अध्यापक व कवि थे। वे कविता पढ़ाते समय स्वयं उसमें रम जाते थे। वे सुरीले गले से कविता का सस्वर पाठ करते, छंद की लय, तुक का ध्यान प्रसिद्ध कवियों से अपनी मुलाकात के संस्मरण सुनाते। उनके अध्यापन की इन्हीं विशेषताओं के कारण लेखक के मन में कविताओं के प्रति रुचि उत्पन्न हुई और वह उन्हीं के हाव–भाव, ध्वनि, गति, चाल और रस का आस्वादान आंखों और कानों की सारी शक्ति लगाकर करने लगा। 3+3= 6 अंक 3

(ख) यशोधर बाबू किशन–दा के आदर्शों एवं सिद्धांतों के प्रति हृदय की गहराई से पूर्णतः समर्पित थे, वे किशन–दा की मृत्यु के बाद उनकी परंपराओं का पूर्णतः पालन करने के लिए समर्पित थे। किशन–दा के पुरातनपंथी विचारों से हट कर उन्हें कुछ भी करना स्वीकार्य नहीं था, इसी फेर में वे नई पीढ़ी या अपने परिवार के साथ भी ताल–मेल नहीं बिठा पाते थे। 3

(ग) सिंधु घाटी सभ्यता साधन संपन्न थी, यह बात उस सभ्यता के भव्य खंडहरों से सिद्ध होती है। स्नानागार, कुओं–तालाबों, गली–सड़क व्यवस्था तथा जलनिकासी की ढ़की नालियां उनके शानदार रहन–सहन और उन्नत जीवन–शैली पर प्रकाश डालते हैं। उनमें सादगी थी न कि दिखावा या आडंबर। उनका अनुशासन राजपोषित न होकर समाज पोषित था। खुदाई से प्राप्त वस्तुओं से यह सिद्ध होता है कि उनमें कहीं भी अनावश्यक विस्तार या दिखावटीपन नहीं था। 3

13 (क) ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी किट्टी नामक एक निर्जीव गुड़िया को संबोधित करते हुए अनेक कारणों से लिखी होगी 2+2=4 अंक

- वह अपने आस–पास आतंक और भय से त्रस्त लोगों का त्रास अनुभव कर रही थी
- वह अपने निजी सुख–दुख और ऐतिहासिक परिवेश से उत्पन्न त्रासदियों को अपने परिवार के सदस्यों के साथ बांटने में संकोच करती थी।
- उसका जीवन एकाकी था, जिससे वह अंतर्मुखी हो गई थी। 2
- नाज़ियों के अत्याचारों से उत्पन्न भावनाएं निर्जीव किट्टी के सामने प्रकट करना उसे सरल लगा।

(कोई दो कारण)

(ख) मुअनजों–दड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित पुरातात्विक स्थान जहाँ सिंधु घाटी सभ्यता बसी थी। 2

मुअनजो–दड़ो सिधु–घाटी सभ्यता के अवशेषों, भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति के प्राचीनतम होने के प्रमाण, नगरीय संस्कृति के योजनाबद्ध निर्माण के पुरातत्विक अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है।

(ग) 'जो हुआ होगा' कथन के दो अर्थ –

(i) यथास्थिति को ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेना

(ii) भूतकाल को भूल कर यथास्थिति को ग्रहण कर लेना 2

(iii) जो भाग्य में था, उसे वैसा ही मान लेना। (कोई दो)

14 ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी में स्त्रियों की शिक्षा, उनके व्यक्तित्व के विकास, उनके अधिकार, उनकी स्वतंत्रता एवं पुरुषों से समानता की कल्पना एवं प्रबल समर्थन किया है। 5 अंक

आज ऐन फ्रैंक की कल्पना के अनुरूप ही स्त्रियां शिक्षित हो रही हैं, उन्हें उनके व्यक्तित्व के विकास के पूर्ण अवसर प्राप्त होते हैं। नारियों को भी उनके समस्त अधिकार मिल रहे हैं – पुरुषों में बराबरी के साथ प्रत्येक क्षेत्र में जाने की पूरी छूट है। 5

अथवा

'जूझ' शब्द का अर्थ है – जूझना या कठिन संघर्ष करना इस कहानी का नायक पढ़ने लिखने तथा जीवन में विकास के पथ पर अग्रसर होने के लिए अत्यंत विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करता है अर्थात बेहतर जीवन के लिए 'जूझता' है। अतः कहानी का 'जूझ' शीर्षक पूर्णत, औचित्यपूर्ण (उचित) है